यीशु मसीह राजाओं का राजा है।

बच्चों को यीशु मसीह को मानना सिखायें।

प्राथना : "हमारे पिता, इस अध्ययन पर कृपा करें जिससे यह बच्चों की यीशु को मानने में सहायता करे, क्योंकि वे यीशु मसीह को प्यार करते हैं।"

बच्चों की सीखने की क्रियायों में से कोई भी, या सब चुन लें।

एक बड़ा बच्चा या शिक्षक लूका 7:1-10 सूबेदार में जो यीशु मसीह की आज्ञा का पालन करता है कहानी को पढ़ें। यह कहानी बताती है किस प्रकार एक रोमी सेना में अफसर एक सूबेदार समझ पाता है कि बड़े राजा की आज्ञा मानने का क्या अभिप्राय है।

अगर आसानी सुविधा हो तो बच्चे इस रोमी सैनिक के चित्र की नकल करे या इससे रंग भरें।

कहानी सुनाने के बाद यह प्रश्न पूछें।

- रोमी सिपाही यीशु से क्या चाहता था कि वह उसके लिये करे? (उत्तर आयत 3 देखें)
- यीशु को किसने सिपाही की मदद करने के लिये कहा? (3)
- सिपाही यीशु से मिलने बाहर क्यों नहीं आया? (आयत 7) वह यह नहीं सोचता था कि वह इस योग्य है।
- सिपाही ने अपने विश्वास को यीशु में कैसे प्रकट किया, जब कि वह विश्वास करता था कि वह सब पर राज्य करता है। (7-8)
- सिपाही ने अपनी आज्ञाकारिता प्रभु यीशु को कैसे दिखाई? (आयत 7 उसने यीशु के वचन को ग्रहण किया यह जानकर कि उसका बीमार दास किस प्रकार ठीक हो गया)

कहानी के कुछ भागो पर नाटक कीजिये। अपने समय का प्रयोग करें नाटक तैयार करने में। आपको सभी भागों का प्रयोग करने की आवश्यकता नहीं है।

बड़ें बच्चे या वयस्क इन पात्रो को करें:

वाचक कहानी को छोटा करके बच्चों को याद करने में सहायता कीजिये।

सूबेदार

सिपाही

यीशु

जवान बच्चे इन पात्रों को करें:

नौकर फर्श पर लेटा हुआ ऐसा प्रतीत होता है मानों बीमार है और मरने पर हैं।

यहूदी (सूबेदार के मित्र)

नाटक, भाग 1, लूका 7:1-7

वाचक : (आयत 1-6) पहले भाग की कहानी बतायें, और कहें, "सुनो, सूबेदार का नौकर क्या कहता है"

नौकर : "महोदय मैं बीमार हूँ। मुझे मालूम है कि मैं मर जाऊँगा।"

सूबेदार : "यीशु कफरनहूम आयें हुये हैं। वह आपको स्वस्थ कर सकते हैं। मैं उनको बुलवा भेजता हूँ।" यहूदियों से कहता है, "मेरे यहूदी मित्रो मेरा दास मरने को है। कृपया यीशु से कहें कि उसे स्वस्थ करें। यीशु बहुत महान है कि मैं जाकर स्वंय बुलाऊँ।"

यहूदी : "हम आपके लिये जायेंगे। यीशु के पास जायेगें और कहेंगे।"

"कृपया, यीशु हमारे संग आये"।

रोमी सूबेदार कहता है कि आप

उसके दास को स्वस्थ करें।" "वह एक अच्छा आदमी है।"

"वह हमारी जाति से प्रेम रखता है।" "उसने हमारे आराधनालय को बनाया है।"

यीशु : "मैं तुम्हारे साथ जाऊगाँ।"

नाटक, भाग 2, लूका 7:7-10

वाचक : (आयत 7-10) कहानी का दूसरा भाग सुनायें। कहें "सुनो सूबेदार क्या कहता है।"

सूबेदार : "मैं तो यीशु से मिलने के योग्य नहीं हूँ। अगर वह वही से कह देगे तो मेरा दास ठीक हो जायेगा। सिपाही तुम यीशु के पास जाओ।"

सिपाही : नमस्कार करते हुये। कहता है "जी सरकार!" (यीशु की और जाते हुये)

यहूदी : "सूबेदार का घर अधिक दूर नहीं है। जल्दी कीजिये।" "देखो उसने एक सिपाही को मिलने भेजा है।"

सिपाही : यीशु के पास जाकर कहता है, "यीशु मेरा मालिक जानता है कि आप महान व्यक्ति है। वह जानता है कि जब आप आज्ञा देते हैं, तो बिना किसी रूकावट के पूरी होती है। कृपया इसके दास की बीमारी से कहें कि चली जाये।"

यीशु : "इस सिपाही के सूबेदार को आज्ञा मानने का मतलब पता है।" वह जानता है की मेरी आज्ञा अधिकार पूर्ण है। वह मेरी शक्ति को जानता है और जानता है कि बीमारी दूर करने का मुझपर उसको भरोसा है। मैंने ऐसा विश्वास पूरे इस्रायल में नहीं देखा।"

वाचक : नाटक जब समाप्त हो जाये तो सभी का धन्यवाद करे जिन्होंने इस नाटक में सहायता की है।

कलीसिया के अगुवे के साथ मिलकर बच्चो को :

- आराधना के समय वयस्कों के लिये नाटक प्रस्तुत करें।
- वयस्कों से प्रश्न पूछे जो इस अध्ययन के आरम्भ में दिये गये हैं।
- बच्चों द्वारा तैयार की गई कविता या जो कुछ भी हो प्रस्तुत करें।

बच्चो से पूछें: यीशु ने कौन सी आज्ञायें मानने को कहा है, जिनको हम माने?

एक मुकुट का चित्र बनायें जिस प्रकार विभिन्न देशों के राजा पहनते हैं। बच्चे इसकी नकल करें।

- बड़े बच्चे जवान बच्चों की सहायता करें। बच्चे अपने चित्रों को वयस्कों को दिखायें आने वाली आराधना समाओं में बच्चे इस कहानी को समझायें कि यीशु ही राजाओं का राजा है, और हम सबको उसकी आज्ञाओं को मानना है क्योंकि हम सब उसे प्यार करते हैं।

यहून्ना 14:15 में राजाओं के राजा ने क्या कहा है याद करें। "अगर तुम मुझसे प्यार करते हो मेरी आज्ञाओं को मानो।"

कविता पाठ: तीन बच्चे मत्ती 28:18,19 और 20 आयतों में से एक एक आयत को वर्णन करें।

"सारी पृथ्वी और स्वर्ग में जो कुछ है, उसका अधिकार मुझे दिया गया है।"

"इसलिये सारे संसार में जाओ और चेले बनाओ और उन्हें पिता पुत्र और पवित्रात्मा के नाम से बपतिस्मा दो।"

"जो आज्ञायें मैंने दी है, उन्हें मानना सिखाओं। और यह याद रखें कि जगत के अन्त तक मैं तुम्हारे साथ हूँ।"

बड़े बच्चें कविता कहानी या गीत लिखे जिसमें बतायें कि हम यीशु को प्यार करते हैं, इसलिये उसकी आज्ञा मानते हैं।

प्रार्थना "परमेश्वर हम आपको वचनों को सुनने से प्रेम करते हैं, और हम चाहते हैं कि उसको अभ्यास में लायें जैसा आपने कहा है। हम आपकी आज्ञा को मानना चाहते हैं क्योंकि आप राजाओं के राजा है और हम सब आपको प्रेम करते हैं।"

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net